29 नवम्बर, 2014 को कोहिमा, नागालैंड में नागालैंड विधान सभा के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष का भाषण

मुझे आज नागालैंड विधान सभा की 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आयोजित इस भव्य समारोह में आप सबके बीच आकर बहुत सम्मान और गौरव की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर मैं आप सबको धन्यवाद देती हूँ कि आपने इस ऐतिहासिक समारोह में मुझे आमंत्रित किया। मैं नागालैंड के लोगों और नागालैंड विधान सभा के सदस्यों को भी बधाई देती हूँ कि वे पिछले पांच दशकों से राज्य में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का संरक्षण बड़े उत्साह के साथ करते आये हैं।

अजी नागालैंड लेजिस्लेटिव असेम्बली लगा पचास साल पुंजिया लगा डांगोर दिन ते मोई अपुनी-खान लोगोते एकी लोको मुनिबु परिया तु बिशि खुशी पई असे। अजी निशेना डांगोर दिनते अमीके मात्या करोनी दन्यवाद दी असे। अमी नागालैंड लगा मानुकान आरो नागालैंड लेजिस्लेटिव असेम्बली लगा मेम्बर्स सबकानके डेमोक्रेसी अरो डेमोक्रेटिक इंस्टिटय़ूशन्स तो बाल परा होहाई कोरीकिना पचास साल रेकिबो परिया करने खुशी दिया जनाई दी असे।

मुझे वीर रानी गाइडिनल्यु के सुन्दर प्रदेश नागालैंड में आकर बहुत गर्व और हर्ष का अनुभव हो रहा है। नागालैंड की रानी लक्ष्मीबाई कही जाने वाली महान स्वतंत्रता सेनानी की वीरता और साहस को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ उनका संघर्ष इतना जबरदस्त था कि उन्हें अंग्रेज सबसे खतरनाक नेत्री मानते थे और जब तक देश आज़ाद नहीं हुआ, तब तक उन्हें जेल में ही बंद रखा। भारत सरकार ने वर्ष 2002 में महिला सशक्तिकरण वर्ष के अवसर पर भारत की पांच प्रमुख स्त्रियों के नाम पर पांच राष्ट्रीय स्त्री शक्ति पुरस्कारों की स्थापना की गई थी। उनमें से एक रानी गाइडिनल्यु भी थीं। मेरा यह सौभाग्य था कि यह शुभ कार्य मेरे हाथों हुआ।

अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, कला और शिल्प की समृद्ध परंपरा, मैत्रीपूर्ण और स्वाभिमानी स्वभाव वाले लोगों के कारण सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि से नागालैंड राज्य का हमारे देश में एक विशेष स्थान है। नागालैंड राज्य की एक और ख़ास बात यह है कि यहाँ साक्षरता दर ऊंची है। यहाँ पर काम में महिलाओं की भागीदारी का औसत पूरे देश की तुलना में कहीं अधिक है। यह प्रेरणादायक और अनुकरणीय है।

नागालैंड की सभ्यता और संस्कृति में प्राचीनता एवं नवीन विचारों का अनूठा मिश्रण है। नागा समाज में परंपरागत रीतियों, प्रथाओं एवं उनके ज्ञान की विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संजोकर रखा गया है। नई पीढ़ी ने आधुनिक होते हुए भी अपने इतिहास के प्रति जो सम्मान बनाए रखा है, वह सराहनीय है। ज्ञान प्रदान करने का नागा माध्यम परीक्षणों, अनुभवों और उदाहरणों पर आधारित है। बचपन से ही बच्चों को कहानियों एवं किंवंदंतियों के माध्यम से मानवता एवं प्रकृति के प्रति जागृत किया जाता है। हाओला लोक गीतों के माध्यम से अपनी विरासत को आपने बहुत ही सुन्दर ढंग से सुरक्षित रखा है।

शहरीकरण की आवश्यकता और युवाओं को रोजगार प्रदान करना हमारा एक अहम लक्ष्य है। हमें स्किल डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देना है और इसके लिये हमें अपने आईटीआई जैसे संस्थानों को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। इस दिशा में प्रधानमंत्री जी का विशेष ध्यान है और तदनुसार नागालैंड सरकार को भी स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए मजबूती से आगे आना चाहिए और निजी क्षेत्र को भी इस महती कार्य में भागीदार बनाना चाहिए।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि नागालैंड राज्य में लोगों में सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति ललक है, जो उन्हें तरक्की करने की प्रेरणा देती है। इसके लिए आप सबको इस राज्य की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अनुकूल वातावरण बनाने की कोशिश करनी होगी। जन प्रतिनिधि होने के नाते आपको यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में सरकार जवाबदेह, पारदर्शी और जिम्मेदार हो और लोगों की जरूरतों और अपेक्षाओं पर खरी उतरे।

वैसे आपको बता दूं कि नागालैंड में लोकतंत्र की प्रक्रिया सदियों पुरानी है और आज भी स्थानीय स्तर पर प्रत्येक गांव में लोकतांत्रिक पद्धति से मुखिया का चुनाव होता है तथा सामूहिक कार्य के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं। सफल और स्वस्थ लोकतंत्र के ये महत्वपूर्ण लक्षण हैं।

वर्ष 1963 में नागालैंड राज्य के गठन के बाद नागालैंड के लोगों ने चुनावों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अपने दृढ़ विश्वास की पुष्टि की है। मुझे इस बात की खुशी है कि वर्ष 1964 में हुए पहले विधान सभा चुनावों में जहाँ 50 फ़ीसदी लोगों ने वोट दिया था, वहीं अब वोट देने वालों की

संख्या कई गुना बढ़कर लगभग 90 प्रतिशत हो गयी है। वर्ष 2013 में हुए पिछले विधान सभा चुनाव में 90 प्रतिशत लोगों ने वोट दिया था और राज्य में हाल ही में हुए लोक सभा चुनाव में 87 प्रतिशत से अधिक लोगों ने वोट दिया है। इन आम चुनावों में किसी भी राज्य में पड़े वोटों की तुलना में यह सबसे बड़ी संख्या है।

हमारे देश के संस्थापकों ने एक ऐसा संविधान अपनाया जिसमें लोकतंत्र और समानता को मार्गदर्शी सिद्धांत बनाया गया है। इस नजरिये से देखें तो विधानमंडल लोकतंत्र की आत्मा हैं और देश की नियति का निर्धारण करने का महत्वपूर्ण दायित्व भी विधानमंडलों के कन्धों पर ही है। इसलिए हम सबकी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम शासन प्रणाली को अधिक सार्थक, सहभागितापूर्ण और समावेशी बनायें।

पिछले कुछ वर्षों में, विधानमंडलों की भूमिका और जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं। आज विधायी निकायों को बहु आयामी कार्य करने होते हैं - जैसे लोगों की शिकायतों को मुखरित करना और लोक महत्व के विषयों और नीतियों पर चर्चा करना और इसके साथ-साथ प्रशासन के कार्यकरण पर नजर रखना। इन सभी जिम्मेदारियों के कारण विधानमंडलों के सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान और वफादार रहें। लोकतांत्रिक संस्थाओं और विधायकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है।

अपनी लोकतात्रिक स्वतंत्रता को और मजबूत बनाने के लिए हमें उन ताकतों और तत्वों का मुकाबला करना होगा जो हमारी सामाजिक-राजनीतिक संस्कृति को नुकसान पहुंचाने और हमारी लोकतात्रिक संस्थाओं का महत्व कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अतः, मैं आप सब से अपील करती हूँ कि अपनी लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए आप सब अपना पूरा योगदान दें। हम सबके लिए संसदीय प्रणाली पर आधारित इस ढांचे का कोई अन्य विकल्प और स्वरूप मौजूद नहीं है। हम सबको मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए भरसक प्रयास करने होंगे कि हमारे इस ढांचे में टकराव और असहिष्णुता की राजनीति के लिए कोई जगह न हो। हमें देश की एकता और लोगों की खुशहाली के व्यापक हित में सामंजस्य और समन्वय की राजनीति को स्थान देने के संयुक्त प्रयास करने होंगे।

इस स्वर्ण जयंती समारोह में आप सबके साथ जुड़कर मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है। मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हुई है कि इस अवसर पर आपने एनिवर्सरी मोनोलिथ का अनावरण करने, चित्र प्रदर्शनी आयोजित करने और नागालैंड विधान सभा के बारे में एक वृत्तचित्र दिखाने तथा 'नागालैंड के 50 वर्ष' विषय पर एक स्मारक ग्रन्थ का विमोचन करने की व्यवस्था की है।

मैं जानती हूं कि यह एक प्रसिद्ध उत्सव - हार्नबिल उत्सव का समय है। नागालैंड की अधिकांश जनजातियों की लोक कथाओं में वर्णित वन में रहने वाले बड़े और सुंदर पक्षी की भांति यह उत्सव भी रंगों से भरा होता है और नागालैंड के सभी लोगों को एकता के सूत्र में बांधता है।

यहां का खूबसूरत वातावरण, पहाड़, झरने एवं जंगल विश्व के किसी भी एडवेंचर टूरिज्म प्लेस को चुनौती दे सकते हैं। मैंने स्विट्जरलैंड को देखा है और यह पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि नागालैंड उससे किसी मायने में कम नहीं है। हमें पर्यटन विकास की इस संभावना को वास्तविकता में बदलना है और इसके लिए हम कटिबद्ध हैं।

मैं एक बार फिर आप सबको - नागालैंड के लोगों और यहाँ उपस्थित सभी लोगों को इस राज्य में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पूरे उत्साह के साथ किये गए प्रयासों के लिए बधाई देती हूँ। अपनी बात समाप्त करने से पहले मैं नागालैंड विधान सभा के माननीय अध्यक्ष, श्री चोटिसु साज़ो को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे इस भव्य समारोह में आमंत्रित किया। मैं नागालैंड के लोगों के जीवन को शांतिपूर्ण और खुशहाल बनाने के लिए आपके द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सफलता की कामना करती हूँ।

धन्यवाद !

नागा मनु सब अरो अजी यते, किमान जमा कोरी किना असे अपनीकान मन मिलाएकेना नागालैंड स्टेट तो शांति अरो उंचाई कोरी दिया करोने अरो एक बार मोई लगा खुशी जनाई दी असे। मोई लगा कोता शेष नकोरा आके ते नागा लेजिस्लेटिव असेम्बली ऑनरेबल स्पीकर श्री चोटिसो साजो परा मोई के इमान डांगोर एकता दिन ते मात्य करने दन्यवाद दी असे। नागालैंड स्टेट शांति तगीबोले करने आमी लका आशीर्वाद दी असे।

कुकनालिम !